T3techno

CloudERP

यूज़र गाइड (हिंदी)

प्रोडक्ट, स्टॉक, परचेज़, सेल्स, GST इनवॉइस और मल्टी-चैनल बिक्री के लिए क्लाउड ERP।

डेवलप किया

Seema Sharma

विषय सूची

कंपनी के लिए

1. शुरुआत कैसे करें
2. प्रोडक्ट, वेरिएंट और फ़ोटो
3. कैटेगरी और ब्रांड
4. कीमतें (Price Management)
5. स्टॉक, बैच और अलर्ट
6. गोदाम और लोकेशन
7. वेंडर (सप्लायर)
8. परचेज़: ऑर्डर → माल प्राप्ति → इनवॉइस
9. ग्राहक (Customers)
10. सेल्स ऑर्डर और शिपिंग
11. इनवॉइस और GST प्रिंट
12. पेमेंट और रसीद
13. देश और टैक्स
14. यूज़र, रोल और अनुमति
15. कंपनी सेटिंग और सब्सक्रिप्शन

सुपर एडमिन के लिए

1. सुपर एडमिन: ऑर्गनाइज़ेशन
2. सुपर एडमिन: प्लान और सब्सक्रिप्शन
3. सुपर एडमिन: वेबसाइट, सपोर्ट और SEO
4. सुपर एडमिन: बैकअप और रिस्टोर
5. सुपर एडमिन: डेटाबेस और SQL कंसोल
6. REST API

मदद चाहिए? किसी भी स्क्रीन पर Help (?) बटन दबाएं या वेबसाइट से सपोर्ट से संपर्क करें।

शुरुआत कैसे करें

6 आसान स्टेप में अपनी कंपनी सेट करें और उसी दिन काम शुरू करें।

1. वेबसाइट पर Start free trial से साइन अप करें, या अपने एडमिन से अपनी कंपनी (Organization) बनवाएं।
2. Organization Settings खोलें और कंपनी का नाम, GSTIN, पता, राज्य और इनवॉइस की जानकारी भरें।
3. Countries & Tax में 'Quick setup: India GST' दबाएं - GST 0/5/12/18/28% के नियम अपने आप बन जाएंगे।
4. Warehouses में डिफ़ॉल्ट गोदाम देखें; और गोदाम या शोरूम हैं तो उन्हें जोड़ें।
5. Products में प्रोडक्ट हाथ से जोड़ें या Excel से इम्पोर्ट करें (Products › Import)।
6. Stock › Stock in से ओपनिंग स्टॉक डालें। अब आप परचेज़ और सेल्स ऑर्डर बना सकते हैं।

टिप्स

- मेन्यू में सिर्फ़ वही मॉड्यूल दिखते हैं जो आपके प्लान में हैं; बाकी पर 'Upgrade to unlock' लिखा होता है।
- किसी भी स्क्रीन पर Help (?) बटन दबाकर उसी स्क्रीन की गाइड खोलें।

प्रोडक्ट, वेरिएंट और फ़ोटो

SKU, HSN, कीमत, फ़ोटो, एट्रिब्यूट और साइज़/कलर वेरिएंट के साथ प्रोडक्ट बनाएं।

1. Products › New product. नाम, SKU (यूनिक), कैटेगरी, ब्रांड, यूनिट, HSN/SAC और टैक्स क्लास भरें।
2. कीमतें डालें: कॉस्ट, MRP, सेलिंग, होलसेल/डीलर। Save करें।
3. प्रोडक्ट पेज पर फ़ोटो अपलोड करें (ड्रैग-ड्रॉप)। एक को Main बनाएं, खींचकर क्रम बदलें।
4. Variants: साइज़/कलर/मटेरियल की वैल्यू डालें और Generate variants दबाएं - हर वेरिएंट का अलग SKU, बारकोड, कीमत और स्टॉक होगा।
5. Attributes में कोई भी अतिरिक्त जानकारी जोड़ें (मटेरियल, नॉट काउंट, ओरिजिन आदि)।
6. Products › Import से Excel/CSV अपलोड करें; Export से सारे प्रोडक्ट डाउनलोड करें।

टिप्स

- Archive करने से प्रोडक्ट छिप जाता है, पर उसका पुराना रिकॉर्ड बना रहता है।
- फ़ोटो अपने आप जाँची और छोटी की जाती हैं; बहुत बड़ी फ़ाइलें नहीं ली जातीं।

कैटेगरी और ब्रांड

प्रोडक्ट को कैटेगरी (पेड़ जैसी संरचना) और ब्रांड में बाँटें।

1. Categories › New: नाम दें, सब-कैटेगरी के लिए पैरेंट चुनें, ज़रूरत हो तो SEO टेक्स्ट डालें।
2. Brands › New: ब्रांड का नाम और लोगो जोड़ें।
3. हर प्रोडक्ट फ़ॉर्म में कैटेगरी और ब्रांड चुनें।

टिप्स

- जिस कैटेगरी में प्रोडक्ट हैं उसे डिलीट नहीं कर सकते - पहले प्रोडक्ट दूसरी कैटेगरी में डालें।

कीमतें (Price Management)

चैनल, देश, मात्रा और तारीख के हिसाब से अलग कीमतें, और एक साथ कीमत बदलना।

1. प्रोडक्ट खोलें › Prices में स्पेशल कीमत जोड़ें: चैनल (वेबसाइट, मार्केटप्लेस, शोरूम), देश/करेंसी, न्यूनतम मात्रा, कब से कब तक।
2. Price Management › Bulk update: कैटेगरी या ब्रांड चुनें, % बढ़ाना/घटाना डालें, प्रीव्यू देखें और लागू करें।
3. हर बदलाव कारण के साथ प्राइस हिस्ट्री में सेव होता है।

टिप्स

- सेल्स ऑर्डर में सबसे सही स्पेशल कीमत अपने आप लग जाती है।

स्टॉक, बैच और अलर्ट

स्टॉक इन/आउट, डैमेज, स्टॉक गिनती और ट्रांसफर - FIFO/FEFO बैच और एक्सपायरी के साथ।

1. Stock › Stock in: ओपनिंग स्टॉक या आया हुआ माल - प्रोडक्ट, गोदाम, मात्रा, कॉस्ट चुनें; बैच/लॉट और एक्सपायरी हो तो डालें।
2. Stock out: माल निकालें - बैच अपने आप FIFO/FEFO से कटते हैं, एक्सपायर्ड बैच कभी नहीं निकलते।
3. Mark damaged से मात्रा बिकने वाले स्टॉक से हटकर डैमेज में चली जाती है।
4. Stock count: असली गिनती डालें - अंतर एडजस्टमेंट के रूप में दर्ज हो जाता है।
5. Transfer: एक गोदाम से दूसरे में स्टॉक भेजें (बैच, एक्सपायरी और कॉस्ट भी साथ जाते हैं)।
6. Stock Ledger में हर एंट्री दिखती है; Batches & Expiry और Alerts में कम स्टॉक और जल्दी एक्सपायर होने वाला माल दिखता है।

टिप्स

- Stock पेज पर हर प्रोडक्ट/गोदाम का reorder level सेट करें ताकि कम स्टॉक का अलर्ट मिले।
- सेल्स ऑर्डर स्टॉक रिज़र्व करता है; उपलब्ध = हाथ में - रिज़र्व।

गोदाम और लोकेशन

गोदाम, ब्रांच और शोरूम - रैक और बिन के साथ।

1. Warehouses › New: कोड, नाम, पता, मैनेजर। एक को डिफ़ॉल्ट बनाएं।
2. गोदाम खोलकर लोकेशन (रैक / शेल्फ / बिन) जोड़ें।
3. हर स्टॉक एंट्री, माल प्राप्ति और सेल्स ऑर्डर में गोदाम चुनें।

टिप्स

- कितने गोदाम बना सकते हैं, यह आपके प्लान पर निर्भर है।

वेंडर (सप्लायर)

सप्लायर की जानकारी, वे कौन से प्रोडक्ट देते हैं और उनका लेजर।

1. Vendors › New: नाम, GSTIN, संपर्क, पता, पेमेंट की शर्तें, बैंक डिटेल।
2. प्रोडक्ट को वेंडर की कीमत और डिलीवरी समय के साथ जोड़ें।
3. Vendor ledger में परचेज़ इनवॉइस, पेमेंट, डेबिट नोट और बकाया दिखता है।

टिप्स

- बैंक अकाउंट नंबर एन्क्रिप्ट करके सेव होते हैं।

परचेज़: ऑर्डर → माल प्राप्ति → इनवॉइस

वेंडर से खरीद - अप्रूवल, माल प्राप्ति (GRN), परचेज़ इनवॉइस और रिटर्न।

1. Purchase Orders › New: वेंडर और गोदाम चुनें, प्रोडक्ट लाइन जोड़ें (मात्रा, रेट; टैक्स अपने आप लगेगा)।
2. Submit करें और Approve करें (जिन यूज़र के पास Approve की अनुमति है)।
3. Receive: आई मात्रा और रिजेक्ट मात्रा, बैच और एक्सपायरी डालें → GRN बनता है और स्टॉक बढ़ता है।
4. GRN से परचेज़ इनवॉइस बनाएं; वेंडर को किया पेमेंट Payments में दर्ज करें।
5. Return to vendor से डेबिट नोट बनता है और स्टॉक घटता है।

टिप्स

- ऑर्डर का माल हिस्सों में भी ले सकते हैं; पूरा आने पर या Close करने पर ऑर्डर बंद होता है।

ग्राहक (Customers)

GSTIN, पते, क्रेडिट लिमिट और लेजर के साथ ग्राहक।

1. Customers › New: नाम, कंपनी, GSTIN, बिलिंग/शिपिंग पता, राज्य (इसी से CGST+SGST या IGST तय होता है)।
2. प्राइस टाइप (रिटेल/होलसेल/डीलर), क्रेडिट लिमिट और पेमेंट के दिन सेट करें।
3. ग्राहक खोलकर ऑर्डर, इनवॉइस, रसीदें और बकाया देखें।

टिप्स

- क्रेडिट लिमिट से ज़्यादा का ऑर्डर Confirm पर रुक जाता है।

सेल्स ऑर्डर और शिपिंग

ऑर्डर → कन्फ़र्म (स्टॉक रिज़र्व) → इनवॉइस → शिप → डिलीवर, और रिटर्न।

1. Sales Orders › New: ग्राहक, गोदाम, प्रोडक्ट लाइन; कीमत और GST अपने आप भरते हैं।
2. Confirm: क्रेडिट लिमिट जाँचता है और स्टॉक रिज़र्व करता है।
3. Create invoice: GST टैक्स इनवॉइस बनता है और स्टॉक घटता है।
4. Ship: कूरियर और ट्रैकिंग नंबर डालें; स्टेटस Delivered करें।
5. Return: आइटम चुनें, क्रेडिट नोट बनता है और स्टॉक वापस आता है।

टिप्स

- कन्फ़र्म ऑर्डर Cancel करने से रिज़र्व स्टॉक छूट जाता है।

इनवॉइस और GST प्रिंट

टैक्स इनवॉइस, क्रेडिट और डेबिट नोट - HSN समरी के साथ, प्रिंट या PDF के लिए तैयार।

1. Invoices में सेल्स और परचेज़ इनवॉइस और नोट दिखते हैं; टाइप, तारीख, स्टेटस से फ़िल्टर करें।
2. इनवॉइस खोलें › Print - A4 GST फ़ॉर्मेट (CGST/SGST या IGST, प्लेस ऑफ़ सप्लाई, शब्दों में राशि)।
3. ईमेल करने के लिए ब्राउज़र में Save as PDF करें।

टिप्स

- नंबर वित्त वर्ष के हिसाब से बनते हैं, जैसे INV/2627/00001।

पेमेंट और रसीद

ग्राहकों से आया पैसा और वेंडर को दिया पैसा दर्ज करें।

1. Payments › New: ग्राहक रसीद या वेंडर पेमेंट चुनें।
2. पार्टी, राशि, तरीका (कैश, बैंक, UPI, चेक) और रेफ़रेंस डालें।
3. राशि को खुले इनवॉइस पर लगाएं; लेजर अपने आप अपडेट हो जाता है।

देश और टैक्स

GST (या VAT / सेल्स टैक्स) क्लास, नियम और रजिस्ट्रेशन।

1. Countries & Tax › Quick setup: India GST से टैक्स क्लास और राज्य के अंदर/बाहर के नियम बन जाते हैं।
2. अपना GST रजिस्ट्रेशन (GSTIN और राज्य) जोड़ें।
3. Tax calculator में इनवॉइस से पहले किसी भी राशि, क्लास और राज्य का टैक्स जाँचें।

यूज़र, रोल और अनुमति

हर सदस्य को अपना लॉगिन दें - सिर्फ़ उतनी ही पहुँच जितनी ज़रूरी है।

1. Roles › New role: अनुमतियाँ टिक करें (प्रोडक्ट देखना/बदलना, इन्वेंटरी, परचेज़ अप्रूव ...)।
2. Users › New user: नाम, ईमेल, पासवर्ड, रोल चुनें।
3. यूज़र को Deactivate करते ही उसका लॉगिन तुरंत बंद हो जाता है।

टिप्स

- हर बदलाव Audit Log में दर्ज होता है।

कंपनी सेटिंग और सब्सक्रिप्शन

कंपनी प्रोफ़ाइल, इनवॉइस डिटेल, प्लान और उपयोग।

1. Organization Settings: कंपनी की जानकारी, लोगो, GSTIN, इनवॉइस की शर्तें, करेंसी और टाइम ज़ोन।
2. Subscription: मौजूदा प्लान, समाप्ति, उपयोग (यूज़र, प्रोडक्ट, इस महीने के ऑर्डर) और हर प्लान के मॉड्यूल।
3. Audit Log: किसने, क्या, कब बदला।

सुपर एडमिन: ऑर्गनाइज़ेशन

ग्राहक कंपनियाँ (Organizations) बनाएं और संभालें।

1. Organizations › New organization: कंपनी, एडमिन यूज़र का ईमेल और पासवर्ड, प्लान।
2. Open panel से किसी कंपनी के अंदर काम करें; Exit organization से वापस आएं।
3. कंपनी को Suspend / Activate करें; Download data backup से उस कंपनी का डेटा मिलता है।

सुपर एडमिन: प्लान और सब्सक्रिप्शन

हर प्लान की कीमत, लिमिट और मॉड्यूल; सब्सक्रिप्शन रिन्यू या बदलें।

1. Subscription Plans › Edit: मासिक/सालाना कीमत, ट्रायल के दिन, यूज़र, प्रोडक्ट, गोदाम, महीने के ऑर्डर।
2. प्लान में शामिल मॉड्यूल टिक करें - मेन्यू और फ़ीचर अपने आप उसी हिसाब से चलते हैं।
3. Subscriptions: किसी भी कंपनी का सब्सक्रिप्शन बढ़ाएं, प्लान बदलें या रद्द करें।

सुपर एडमिन: वेबसाइट, सपोर्ट और SEO

पब्लिक वेबसाइट के पेज बदलें, सपोर्ट टिकट देखें और SEO संभालें।

1. Website content: ब्रांड, टैगलाइन, संपर्क, About / Terms / Privacy / Refund / FAQ का टेक्स्ट।
2. Support tickets: Contact पेज से आए संदेश - स्टेटस, नोट्स, ईमेल से जवाब।
3. SEO & Sitemap: हर पेज का मेटा टाइटल, डिस्क्रिप्शन, कैनोनिकल URL; Site URL, Google वेरिफ़िकेशन, Analytics; sitemap.xml और robots.txt अपने आप बनते हैं।

सुपर एडमिन: बैकअप और रिस्टोर

ऑटोमैटिक बैकअप, FTP / Zata.ai पर कॉपी और MySQL या SQL Server में रिस्टोर।

1. Backups › Settings: हर N दिन (डिफ़ॉल्ट 7), कितने रखने हैं, फ़ोल्डर; FTP और Zata.ai की जानकारी, Test बटन के साथ।
2. कभी भी Full backup now; किसी एक ग्राहक के लिए Backup one organization।
3. कोई भी बैकअप डाउनलोड करें; ↻ Restore से इसी डेटाबेस या दूसरे MySQL / SQL Server में रिस्टोर करें (RESTORE लिखें)।
4. बैकअप zip (FTP / Zata.ai / अपने PC से) अपलोड करके रिस्टोर करें।

टिप्स

- लाइव डेटा पर रिस्टोर करते समय safety backup ऑन रखें।

सुपर एडमिन: डेटाबेस और SQL कंसोल

MySQL या SQL Server पर चलाएं और सीधे टेबल पर काम करें।

1. Database: दोनों कनेक्शन देखें, Test करें, और Copy & switch से दूसरे डेटाबेस पर जाएं (SWITCH लिखें)।
2. SQL console: अपने पासवर्ड से अनलॉक करें, कोई भी टेबल देखें, रो बदलें / जोड़ें / हटाएं।
3. SQL टैब: क्वेरी चलाएं (डिफ़ॉल्ट में सिर्फ़ पढ़ना; बदलने के लिए Allow changes टिक करें)। रिज़ल्ट CSV में निकालें।
4. हर बदलाव Audit Log में सेव होता है।

टिप्स

- बड़े बदलाव से पहले फ़ुल बैकअप लें - SQL से किए बदलाव वापस नहीं होते।

REST API

अपनी वेबसाइट, Shopify ऐप या दूसरे सिस्टम जोड़ें।

1. /swagger खोलकर सारे endpoint देखें।
2. टोकन लें: POST /api/v1/auth/token - किसी ऑर्गनाइज़ेशन यूज़र के ईमेल और पासवर्ड से।
3. Authorization: Bearer <token> के साथ प्रोडक्ट और इन्वेंटरी endpoint चलाएं। स्टॉक एंट्री idempotent है।

टिप्स

- API मॉड्यूल और रोज़ की लिमिट प्लान पर निर्भर है।